an>

Title: Need to reopen closed sugar mills in the country.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अधिष्ठाता महोदय, मैं एक महत्वपूर्ण विषय की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ। किसानों की 67 पर्सेंट आबादी देश के सभी राज्यों में रहती है। उस किसान की एक मात्र नगदी फसल गन्ना है। एक तरफ अभी कल हमारे संसदीय कार्य मंत्री जी ने स्वयं स्वीकार किया कि 21 हजार करोड़ रूपए गन्ना मूल्य किसानों का देश के मुख्तलिफ राज्यों में बाकी था। लेकिन मैं बधाई दूंगा कि हमारी केन्द्र में सरकार थी और प्रधानमंत्री ने स्वयं पहल की। प्रधानमंत्री की पहल से बैंकों को 6 हजार करोड़ रूपए उन राज्यों में मिले जिससे आज किसानों का भुगतान हुआ। इसके बावजूद भी अभी उत्तर प्रदेश में किसानों को गन्ना मूल्य नहीं मिल रहा है। मोदी नगर में कल वहाँ के हजारों किसानों ने धरना दिया। यहाँ तक मिल को बंद कर उस पर ताला लगा दिया। फिर उन्होंने कहा कि हम आज से डेढ़ करोड़ रोज का पेमेंट करेंगे।

मैं आपके माध्यम से सरकार से इस बारे में निवेदन करना चाहता हूँ।...(व्यवधान) बिहार में भी यही स्थिति है, ऐसा हमारी बहन कह रही हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी किसान की नगदी फसल, कैश क्रॉप केवल गन्ना है। आज चीनी मिलें बंद पड़ी हैं। एक तरफ उनका पेमेंट नहीं हुआ, दूसरी तरफ खेतों में गन्ना खड़ा है। आज बस्ती की चीनी मिल बंद है, मुंडेरवा चीनी मिल बंद है, संत कबीर नगर हमारे पड़ोसी शरद त्रिपाठी जी के क्षेत्र में खलीलाबाद चीनी मिल बंद है, देवरिया, भटनी बंद है और फरीदा बंद है। इस तरह से सारी चीनी मिलें बन्द होंगी। आखिर किसान के पास फिर कौन सी नकदी फसल होगी? गन्ने की पर्चियों के भुगतान से किसान अपने बेटे की फीस जमा करता है, बेटी जब सयानी हो जाती है तो उसके हाथ पीले करके उसे विदा करता है। अपने बूढ़े बाप के इलाज के लिए वह गोरखपुर मैडिकल कालेज और लखनऊ मैडिकल कालेज में जाता है। अगर उसके पास वह पर्चियाँ नहीं होती हैं तो वह मरीज़ अस्पताल के दरवाजे पर तिल तिल करके अपनी एड़ियाँ रगड़ता है। निश्चित तौर से यह विषय राज्य का है, लेकिन आज जो बंद हो रही चीनी मिलें हैं, बस्ती चीनी मिल जो सबसे अच्छी चीनी मिल कहलाती थी और मैनचैस्टर में वहाँ की चीनी जाती थी, सबसे बड़े दाने की चीनी बनती थी, गुजरात और महाराष्ट्र से भी अच्छी क्वालिटी की वह चीनी बनती थी। आज रिकवरी होने के बावजूद उसको बंद कर दिया है। तो कम से कम बस्ती चीनी मिल को चलाने की कार्रवाई हो, जिससे वहाँ के किसान अभी भी धरने पर हैं। पिछले दो वर्षों से वहाँ पर क्रमिक अनशन चल रहा है। किसान और मज़दूर मिल के समक्ष रोज़ धरना देते हैं। हम लोग इस संबंध में लगातार प्रदेश स्तर पर भी लिख चुके हैं और कह चुके हैं। अब हम आपके माध्यम से चाहते हैं कि कम से कम केन्द्र सरकार इस बात को निर्देशित करे कि बस्ती चीनी मिल को तत्काल चलाया जाए, खलीलाबाद चीनी मिल को तत्काल चलाया जाए, मुनरवा मिल को चलाया जाए।

HON. CHAIRPERSON: *m02 Shri Sharad Tripathi, *m03 Shri Bhairon Prasad Mishra and *m04 Kunwar Pushpendra Singh Chandel are permitted to associate with the issue raised by Shri Jagdambika Pal.